

अध्याय - 1 | पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति

QUIZ
PART-03

1. देशांतर रेखाएँ किस दिशा में होती हैं?

- A. पूर्व से पश्चिम
B. उत्तर से दक्षिण
C. तिरछी दिशा में
D. केवल उत्तरी गोलार्द्ध में (B)

व्याख्या: देशांतर रेखाएँ उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तक खींची जाती हैं और ये अर्धवृत्त होती हैं।

2. देशांतर को किस इकाई में मापा जाता है?

- A. किलोमीटर
B. मीटर
C. डिग्री
D. मिनट (C)

व्याख्या: देशांतर को डिग्री में मापा जाता है, जैसे 0° , 77° पू, 74° प आदि।

3. प्रमुख याम्योत्तर (Prime Meridian) का मान कितना है?

- A. 90°
B. 180°
C. 45°
D. 0° (D)

व्याख्या: प्रमुख याम्योत्तर को 0° देशांतर माना जाता है।

4. 180° पू और 180° प के बारे में सही कथन कौन-सा है?

- A. दोनों अलग रेखाएँ हैं
B. यह भूमध्य रेखा है
C. दोनों वही एक ही देशांतर हैं
D. यह 0° देशांतर की विपरीत दिशा है (C)

व्याख्या: 180° पू और 180° प वास्तव में एक ही देशांतर रेखा मानी जाती है।

5. प्रमुख याम्योत्तर किस स्थान से होकर गुजरती है?

- A. टोक्यो
B. दिल्ली
C. ग्रीनविच (इंग्लैंड)
D. न्यूयॉर्क (C)

व्याख्या: अंतरराष्ट्रीय सहमति के अनुसार प्रमुख याम्योत्तर इंग्लैंड के ग्रीनविच से होकर गुजरती है।

6. प्रमुख याम्योत्तर भूमध्य रेखा के साथ मिलकर पृथ्वी को कितने भागों में बाँटती है?

- A. दो
B. तीन
C. चार
D. पाँच (C)

व्याख्या: भूमध्य रेखा पृथ्वी को उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध में बाँटती है, जबकि प्रमुख याम्योत्तर पूर्वी और पश्चिमी गोलार्द्ध में—कुल चार गोलार्द्ध बनते हैं।

7. दिल्ली की स्थिति का उदाहरण PDF में कैसे दिया गया है?

- A. $45^\circ 30'$, 74° प
B. $29^\circ 30'$, 77° पू
C. $10^\circ 30'$, 140° पू
D. $90^\circ 30'$, 0° (B)

व्याख्या: दिल्ली की स्थिति 29° उत्तर अक्षांश और 77° पूर्व देशांतर बताई गई है।

8. भारत की प्राचीन प्रमुख याम्योत्तर किस नाम से जानी जाती थी?

- A. कर्क रेखा
B. मध्य रेखा
C. भू-मध्य रेखा
D. अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा (B)

व्याख्या: भारत की प्राचीन प्रमुख याम्योत्तर "मध्य रेखा" कहलाती थी।

9. भारत की मध्य रेखा किस नगर से होकर गुजरती थी?

- A. जयपुर
B. उज्जयिनी (उज्जैन)
C. कोलकाता
D. गुवाहाटी (B)

व्याख्या: प्राचीन भारतीय मध्य रेखा उज्जयिनी (उज्जैन) से होकर गुजरती थी।

10. वराहमिहिर कौन थे?

- A. प्रसिद्ध राजा
B. सैनिक
C. खगोलशास्त्री
D. व्यापारी (C)

व्याख्या: वराहमिहिर एक प्रसिद्ध भारतीय खगोलशास्त्री थे, जो लगभग 1500 वर्ष पहले कार्य करते थे।